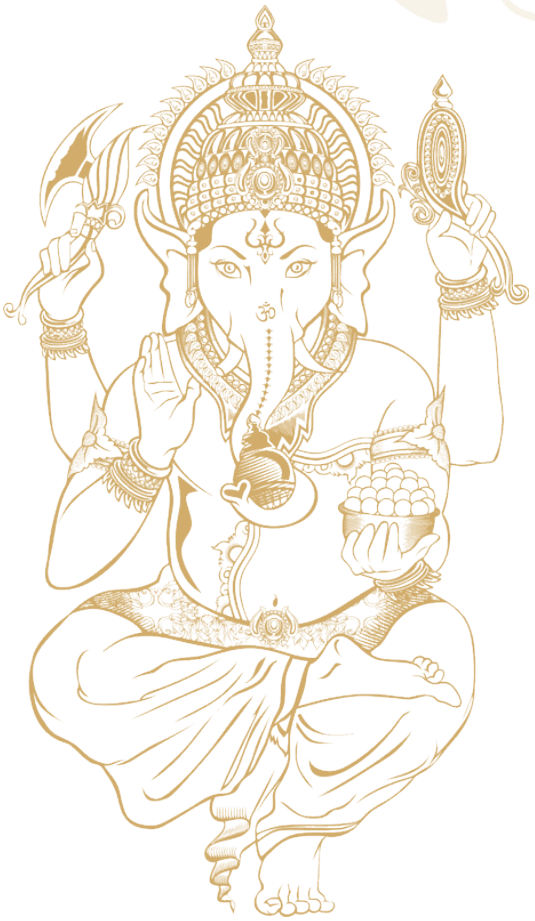

26 Oct 1989

09:00 PM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120905106

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/10/1989**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**21:00:00 घंटे**
इष्ट	37:24:15 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:03:32 घंटे
वेलान्तर	00:16:02 घंटे
साम्पातिक काल	23:23:28 घंटे
सूर्योदय	06:02:17 घंटे
सूर्यास्त	17:18:27 घंटे
दिनमान	11:16:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	09:28:39 तुला
लग्न के अंश	09:27:56 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	ऐन्द्र
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पी-पीयूष
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	09:27:56	326:44:51	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	---
सूर्य			तुला	09:28:39	00:59:52	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			कन्या	06:56:05	11:52:52	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	बुध	मित्र राशि
मंगल		अ	तुला	00:33:21	00:39:54	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
बुध		अ	कन्या	29:41:06	01:40:52	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	स्वराशि
गुरु			मिथु	17:09:01	00:00:29	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	26:02:08	01:04:09	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	सम राशि
शनि			धनु	15:12:57	00:04:10	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
राहु	व		मक	29:42:06	00:07:21	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	29:42:06	00:07:21	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	मित्र राशि
हर्ष			धनु	08:31:23	00:02:15	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
नेप			धनु	16:13:59	00:01:09	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
प्लूटो			तुला	20:54:54	00:02:23	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
दशम भाव			कुंभ	26:20:38	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:02

लग्न-चलित

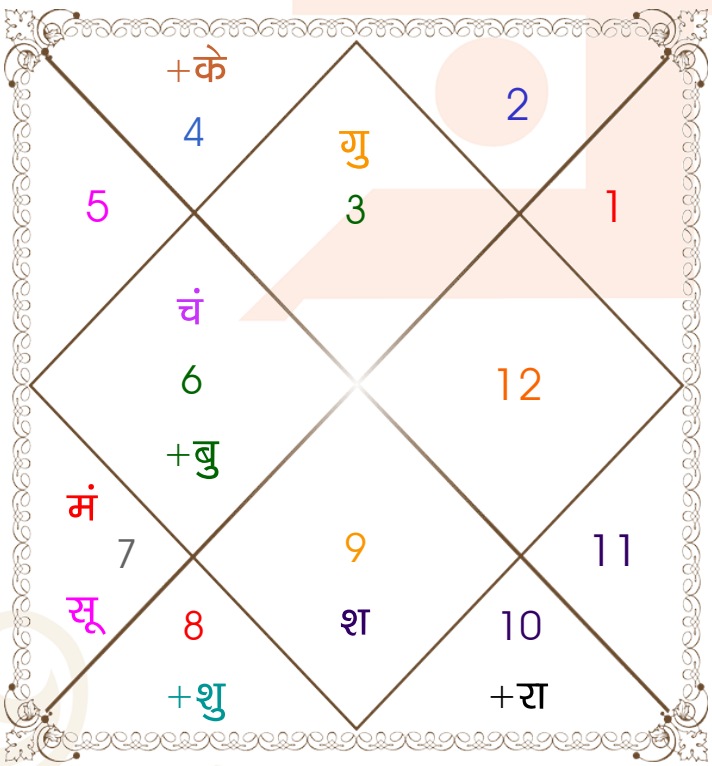

चन्द्र कुंडली

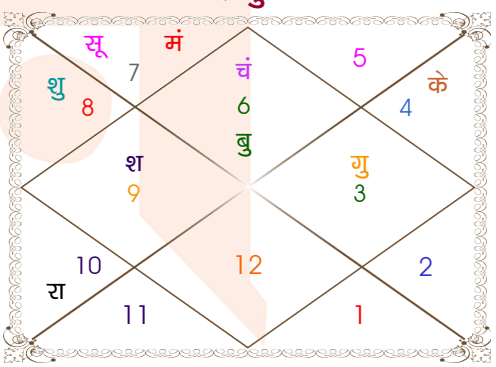

नवमांश कुंडली

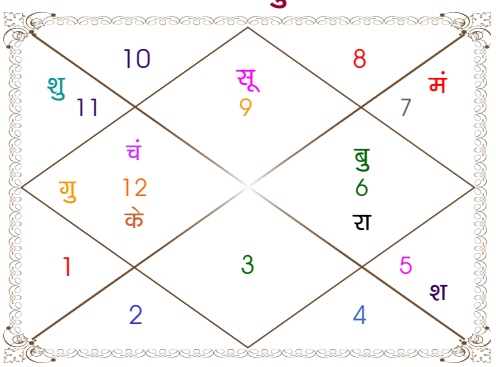

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 4 मास 16 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
26/10/1989		14/03/1991		14/03/2001		13/03/2008		14/03/2026	
14/03/1991		14/03/2001		13/03/2008		14/03/2026		14/03/2042	
	00/00/0000	चंद्र	13/01/1992	मंगल	10/08/2001	राहु	25/11/2010	गुरु	01/05/2028
	00/00/0000	मंगल	13/08/1992	राहु	28/08/2002	गुरु	19/04/2013	शनि	12/11/2030
	00/00/0000	राहु	12/02/1994	गुरु	04/08/2003	शनि	24/02/2016	बुध	17/02/2033
	00/00/0000	गुरु	14/06/1995	शनि	12/09/2004	बुध	13/09/2018	केतु	24/01/2034
	00/00/0000	शनि	12/01/1997	बुध	09/09/2005	केतु	01/10/2019	शुक्र	24/09/2036
	26/10/1989	बुध	13/06/1998	केतु	05/02/2006	शुक्र	01/10/2022	सूर्य	13/07/2037
बुध	06/11/1989	केतु	12/01/1999	शुक्र	08/04/2007	सूर्य	26/08/2023	चंद्र	12/11/2038
केतु	14/03/1990	शुक्र	12/09/2000	सूर्य	13/08/2007	चंद्र	23/02/2025	मंगल	19/10/2039
शुक्र	14/03/1991	सूर्य	14/03/2001	चंद्र	13/03/2008	मंगल	14/03/2026	राहु	14/03/2042

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
14/03/2042		14/03/2061		14/03/2078		14/03/2085		15/03/2105	
14/03/2061		14/03/2078		14/03/2085		15/03/2105		00/00/0000	
शनि	17/03/2045	बुध	10/08/2063	केतु	10/08/2078	शुक्र	13/07/2088	सूर्य	02/07/2105
बुध	25/11/2047	केतु	07/08/2064	शुक्र	10/10/2079	सूर्य	13/07/2089	चंद्र	01/01/2106
केतु	03/01/2049	शुक्र	07/06/2067	सूर्य	15/02/2080	चंद्र	14/03/2091	मंगल	09/05/2106
शुक्र	04/03/2052	सूर्य	13/04/2068	चंद्र	15/09/2080	मंगल	13/05/2092	राहु	02/04/2107
सूर्य	14/02/2053	चंद्र	12/09/2069	मंगल	11/02/2081	राहु	14/05/2095	गुरु	20/01/2108
चंद्र	16/09/2054	मंगल	10/09/2070	राहु	02/03/2082	गुरु	12/01/2098	शनि	01/01/2109
मंगल	25/10/2055	राहु	29/03/2073	गुरु	06/02/2083	शनि	15/03/2101	बुध	27/10/2109
राहु	31/08/2058	गुरु	05/07/2075	शनि	17/03/2084	बुध	14/01/2104		00/00/0000
गुरु	14/03/2061	शनि	14/03/2078	बुध	14/03/2085	केतु	15/03/2105		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 4 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।